ISSN 2348-2796

सांस्कृतिक प्रवाह

(शोध पत्रिका)

SANSKRITIK PRAVAH

Research Journal

वर्ष 4 अंक 2 अगस्त, 2020

Bi- annual Bi-lingual

A Multi Disciplinary Refereed Research Journal
Dedicated to Socio-Cultural Harmony

www.sanskritikpravah.com

अखिल भारतीय संस्कृति समन्वय संस्थान, जयपुर (राज.)

Akhil Bhartiya Sanskriti Samanvaya Sansthan, Jaipur, Rajasthan

Subscription Rate

Institution & Library	-	Rs. 2200 (5 years)	Rs. 6000 (15 years)
Individuals (Rajasthan)	-	Rs. 950 (5 years)	Rs. 2600 (15 years)
(Out of Rajasthan)	-	Rs. 1000 (5 years)	Rs. 2800 (15 years)
Single Copy	-	Rs. 125/-	

Subscription may be sent by cheques/drafts drawn in favour of
Akhil Bhartiya Sanskriti Samanvaya Sansthan

The responsibility for the facts stated, opinions expressed or conclusions reached is entirely that of the authors / contributors and the **'Sanskritik Pravah' Research Journal** accepts no responsibility for them.

Correspondence and Contact

सांस्कृतिक प्रवाह

बी-19, मधुकर भवन, न्यू कॉलोनी, जयपुर-302001

E-mail : editor.sprj@gmail.com
: ramsjaipur@gmail.com
website : www.sanskritikpravah.com
Contact : 0141-4038590 (4 PM Onwards), 094143-12288 (Chief Editor)
094600-70031(Editor)

Published by : Akhil Bhartiya Sanskriti Samanvaya Sansthan, Jaipur, Rajasthan (India)
B-19, Madhukar Bhawan, New Colony, Jaipur-302001

Printed at : Kumar & Company, Jaipur

ISSN 2348-2796

सांस्कृतिक प्रवाह

(शोध पत्रिका)

वर्ष 4 अंक 2 अगस्त, 2017

अर्द्धवार्षिक द्वि-भाषी

सामाजिक एवं सांस्कृतिक समन्वय के लिए
समर्पित एक बहु-विषयात्मक शोध पत्रिका

अखिल भारतीय संस्कृति समन्वय संस्थान,

803, वेदांग हाईट्स, नन्दपुरी, प्रताप सर्किल के पास, प्रतापनगर, जयपुर-302033

Sanskritik Pravah Research Journal

Patron

Sh. Ramprasad : Social Worker & Guardian, Akhil Bhartiya Sanskriti Samanvaya Sansthan, Jaipur

Editorial Advisory Board

Dr. Kuldeep Chand Agnihotri : Vice Chancellor
Central University of Himachal Pradesh,
Dharamshala (H.P.)

Prof. J. P. Sharma : Vice Chancellor
MLS University, Udaipur (Raj.)

Prof. Bhagirath Singh : Vice Chancellor
Bikaner University, Bikaner (Raj.)

Prof. M. L. Chhipa : Ex. Vice Chancellor
A.B. Vajpayee Hindi University, Bhopal (M.P.)

Prof. P. K. Dashora : Ex. Vice Chancellor
Kota University, Kota (Raj.)

Dr. Alpana Kateja : Professor of Economics,
Principal, Maharani College,
University of Rajasthan, Jaipur

Chief Editor

Sh. Ram Swaroop Agrawal : 72/25, Patel Marg, Mansarovar, Jaipur-302020
Ex Principal, Govt. Law College, E-mail : ramsjaipur@gmail.com
Kota & Sriganganagar (Raj.) Mobile : 09414312288

Editor

Dr. Vinod Kumar Sharma : 19, Narayan Vihar, 30/118, Opp Pratap Nagar
Associate Professor Sanganer, Jaipur - 302033
& Director, Research Centre E-mail : vsvyasa@gmail.co,
J.R. Rajasthan Sanskrit University, Mobile : 09414350711
Jaipur (Raj.)

Associate Editor

Dr. Gopal Sharan Gupta : Plot No. 28, Gyanvihar Colony, Model Town
Centre for Rajasthan Studies, Jagatpura Road, Malviya Magar, Jaipur-302017
University of Rajasthan, Jaipur E-mail : gsgupta1960gmail.com
Mobile : 0946007003

Managing Editor

Dr. Jagdish Narayan Vijay : 99, Keteva Nagar, New Sanganer Road,
Director Jaipur - 302019
Rajasthan Sanskrit Academy, Jaipur E-mail : jnvijay73@gmail.com
J-15, Jhalana Institutional Area, Mobile : 09414348117
Jaipur-302004

Editorial Board

Prof. Ashutosh Pant : 17, Nandpuri, Malviya Nagar, Jaipur-302017
Chairman, Fluorecent Group of E-mail : pant_ashutosh@rediffmail.com
Institution, Sec -26, Near N.R.I Mobile : 09636770535
Circle, Pratap Nagar,
Jaipur - 302033

Dr. Sunil Asopa : 61-B, Laxmi Nagar, Jodhpur-324006
Associate Professor, E-mail : sunasopa@gmail.com
Deptt. of Law J.N.V. University, Mobile : 09414294406
Jodhpur

Dr. Shivani Swarnkar : Quartar No. 1, Opp. Residency School Campus
Assistant Professor, Govt. M.G. College, Udaipur-313001
Deptt. of Geography E-mail : pswarn7@gmail.com
Govt. Meera Girls College Mobile : 09929096367
Udaipur-313001

Dr. Satish Chand Agrawal : G-2/310, Shanti Nagar, Durgapura,
Assistant Professor, Jaipur-302018
Deptt. of Poltical Science E-mail : satish.political@gmail.com
M.L.S. University, Udaipur (Raj). Mobile : 09783055596

अनुक्रमणिका / CONTENTS

		पृष्ठ संख्या
	सम्पादकीय	
1.	महाराणा प्रताप और शहंशाह अकबर–एक विश्लेषण – फारूख अहमद खान	09
2.	भारतीय संविधान का अनुच्छेद 35ए : संवैधानिकता एवं दुष्परिणाम – डॉ. सतीश चन्द अग्रवाल	23
3.	लोक देवताओं की फड़ : चित्रण–वाचन परम्परा–एक अध्ययन (विशेष संदर्भ : श्री देवनारायण जी की फड़) – डॉ. कैलाश चन्द्र गुर्जर	30
4.	सामाजिक समरसता के उद्घोषक जन्म से मुस्लिम संत लालदास – डॉ. गोपाल शरण गुप्ता	40
5.	वंशावली संरक्षण, संवर्द्धन और संवहन–एक विहंगम दृष्टि – चेतना शर्मा	46
6.	Religion Invasion in Manipur : A Demographic Terrorism – Prof. R.K. Narendra Singh – Laishram Rutanbala Devi	55
7.	Evolving the Christian Concept of Slavery in America - Dr. Parmeshwar Gangawat	65
8.	Age Pyramids : Populations of Different Religious Communities in India Indeed Look Very Different -Centre for Policy Studies	74
9.	पुस्तक समीक्षा : भारत–जनसांख्यिकी असंतुलन की ओर (मीना शर्मा) – डॉ. लेखा अग्रवाल	90
10.	गतिविधि	91
11.	शोध पत्र के लिए विषय	95

Contributors

1. **Chetna Sharma**
   Research Scholar, Deptt. of History and Indian Culture
   University of Rajasthan, Jaipur (Raj.)

2. **Farukh Ahmad Khan**
   President, Sampradaik Sadbhav and Aatank Virodhi Samiti
   Jodhpur (Raj.)

3. **Dr. Gopal Sharan Gupta**
   Centre for Rajasthan Studies
   University of Rajasthan, Jaipur (Raj.)

4. **Dr. Kailash Chand Gurjar**
   Post Doctoral Fellow
   Deptt. of History and Indian Culture
   University of Rajasthan, Jaipur (Raj.)

5. **Dr. (Mrs.) Lekha Agrawal**
   Ex Head, Deptt. of Sociology
   Govt. College, Jaipur (Raj.)

6. **Laishram Rutanbala Devi**
   Asstt. Professor, Deptt. of Economics
   Waithom Mani Girls College
   Thoubal (Manipur)

7. **Dr. Mohan Lal Sahu**
   Co-ordinator, School of Heritage
   Kota University, Kota (Raj.)

8. **Dr. Parmeshwar Gangawat**
   Assistant Professor of English,
   J.R. Rajasthan Sanskrit University, Jaipur (Raj.)

9.. **Prof. R.K. Narendra Singh**
   Professor and Head of Biostatistics
   Regional Institute of Medical Sciences (RIMS)
   Lamphelpat -795004, Imphal (Manipur)

10. **Dr. Satish Chand Agrawal**
   Asstt. Professor, Deptt. of Political Science
   J. R. Rajasthan Sanskrit University, Jaipur (Raj.)

तुष्टीकरण समाप्ति की ओर बढ़ते कदम

इस वर्ष 26 जनवरी को देश के अनेक भागों में तिरंगा-यात्रा निकाली गयी। तिरंगा-यात्रा से किसे ऐतराज होगा? कोई भी निकाल सकता है ऐसी यात्रा। बल्कि सबको निकालनी चाहिए तिरंगा जैसी यात्रा। राजनैतिक दल निकालें, हिन्दू संगठन निकालें, मुस्लिम व ईसाई संगठन भी निकालें, मंदिर वाले निकालें और मस्जिद वाले भी। यह देश सबका है। यह तिरंगा सबका है। इसकी जय-जयकार हो-यह तो सब की इच्छा होनी चाहिए। आम आदमी को भी 26 जनवरी की महत्ता के साथ ही संविधान की महत्ता और उसकी सर्वोच्चता की जानकारी होनी ही चाहिए।

परन्तु, जब ऐसी यात्रा उत्तर प्रदेश के कासगंज कस्बे में निकाली गयी तब, दैनिक समाचार पत्रों के अनुसार, ''शहर के विभिन्न हिस्सों से होते हुए यात्रा जब एक इलाके से गुजरी तो भारत माता की जय के नारे के प्रतिरोध में एक समुदाय विशेष के युवक ने 'पाकिस्तान जिंदाबाद' का नारा लगा दिया।'' इसको लेकर तनाव हुआ, आगजनी हुई और पाकिस्तान जिंदाबाद का नारा लगाने वाले समूह ने गोलियां चला दी। एक व्यक्ति मारा गया। हमलावार के घर की तलाशी में देसी बम और पिस्टल मिले। इसे छोटी घटना मानकर सामान्यतया लोग ज्यादा तवज्जो नहीं देंगे। परन्तु, क्या वाकई यह एक छोटी सी घटना है?

देश के गणतंत्र दिवस पर, उस दिवस पर जब देश का संविधान लागू किया गया, उस दिन भारत माता की जय के नारे को सुनकर अपने ही देश का कोई नागरिक पाकिस्तान जिन्दाबाद का नारा लगाये, तो यह छोटी सी बात नहीं है। इसे हल्के में नहीं लेना चाहिए। सारे देश को, सब दलों को, सब को, अपने निहित स्वार्थों से ऊपर उठकर इसे गंभीरता से लेना चाहिए। इस घटना पर विचार करना चाहिए।

देश की सीमा पर पाकिस्तान द्वारा नियंत्रण रेखा के उल्लंघन की वारदातें बढ़ गयी हैं। अब वह नागरिकों को भी निशाना बना रहा है। कारण स्पष्ट है। देश की सेना को पूरी छूट दे दी गयी है, इसलिए भारत की ओर से न केवल ईंट का जवाब पत्थर से दिया जा रहा है, वरन् सेना सीमा पार जाकर भी पाकिस्तान को सबक सीखा रही है। जम्मू-कश्मीर में आतंकवादियों की सूची बना ली गई है। अब उन्हें ढूंढ-ढूंढ कर मारा जा रहा है। अतः पाकिस्तान बौखलाया हुआ है। देश में ऐसे लोग भी हैं जिन्हें भारत का यह रूप पसंद नहीं है। परन्तु यह पाकिस्तान की नीयत और इतिहास को नजरअंदाज करने जैसा है। कुछ लोग शक्ति की भाषा ही समझते हैं। हाँ, समझने में देर अवश्य हो सकती है। उन्हें बातचीत की भाषा समझ में नहीं आती।

केन्द्र में सत्तारूढ़ दल की नीतियाँ तो स्पष्ट ही थीं। अब यदि वह अपनी घोषित नीतियों के अनुसार काम करती है तो इसमें कइयों को साम्प्रदायिकता नजर आती है। 'तीन तलाक' को सर्वोच्च न्यायालय द्वारा असंवैधानिक घोषित किये जाने के पश्चात् यदि केन्द्र सरकार न्यायालय-निर्देशों के अनुसरण में कानून बनाती है, तो यह सर्वथा उचित कदम है। हज सब्सिडी समाप्त करने का भी सर्वोच्च न्यायलय का निर्णय था। यह सत्तारूढ़ पार्टी की नीति के अनुकूल भी है।

आश्चर्य है कि मदरसा जैसे शिक्षण संस्थानों में स्वतंत्रता दिवस पर तिरंगा फहराने के समारोह ही नहीं हो रहे थे। उत्तर प्रदेश सरकार ने इस संबंध में कठोरता दिखाई है तो इसे सम्प्रादायिक नजरों से न देखकर, देश के व्यापक हित में देखा जाना चाहिए। ऐसे बहुत सारे कदम हैं जो तुष्टीकरण समाप्ति की दिशा को इंगित कर रहे हैं। इनका स्वागत किया जाना चाहिए।

राजस्थान उच्च न्यायालय ने सरकार से पूछा है कि धर्म बदलने के संबंध में कोई कानून है क्या? राज्य सरकार ने इस संबंध में 'धर्म स्वातंत्र्य विधेयक' पास किया था जो केन्द्र के पास लम्बित है। इस विधेयक को शीघ्र ही कानून की शक्ल देने की आवश्यकता है।

अभिव्यक्ति की आजादी पर प्रश्न उठ रहे हैं। अच्छा है कि इस विषय पर व्यापक चर्चा हो और इसके सभी पहलू सामने आएं।

वर्तमान अंक बहुत विलम्ब से प्रकाशित हो रहा है। इसका हमें खेद है। पाठकों से निवेदन है कि वे भी निर्धारित विषयों पर अपने शोध पत्र भेजें।

– मुख्य सम्पादक